राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

वर्ष 07 | अंक 40 | मुंबई : बुधवार 12 अगस्त 2026 से 18 अगस्त 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

महाराष्ट्र में दूध-पनीर समेत खाने की चीजों में मिलावट करने पर लगाया जाए मकोका

मुंबईः राज्य में दूध, पनीर, दुग्ध उत्पाद सहित अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून) के तहत कार्रवाई कर उनके खिलाफ गैर जमानती मामले दर्ज किए जाएं। यह आदेश उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को दिया।

शिंदे ने कहा कि ऐसे खाद्य पदार्थों में मिलावट से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। शिंदे ने कहा कि अदालत में मामलों की सुनवाई के दौरान कोई कमी न रह जाए इसके लिए अनुभवी कानून विशेषज्ञों की मदद ली जाए तथा तत्काल एक विशेष कानूनी टीम गठित की जाए। बता दें कि इस संबंध में पिछले कई

सालों से सरकार सदन और सदन के बाहर घोषणा कर चुकी है। सह्याद्री अतिथि गृह में वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों और उनकी पूर्ति के संबंध में आयोजित बैठक में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया। इस दौरान शिंदे ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट केवल सामान्य अपराध नहीं है, बल्कि यह

एकनाथ शिंदे ने दिया आदेश

नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे दूध का सेवन करते हैं, नकली पनीर और मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारण लोगों में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए मिलावट के दोषियों के खिलाफ ऐसे मामलों में गैरजमानती मामले दर्ज किए जाएं।

मुंबई में बारिश का कहर...

घाटकोपर, सायन और वसई में हुए हादसों ने ली आठ लोगों की जान...!

मुंबई : मुंबई महानगर क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में आठ व्यक्तियों को जान से हाथ धोना पड़ा है। घाटकोपर में भूस्खलन, सायन में एक ढांचे के ढहने और पालघर जिले के वसई क्षेत्र में जर्जर मकान का हिस्सा गिरने की घटनाओं में कुल आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। सबसे बड़ा हादसा मुंबई के घाटकोपर स्थित चिराग नगर के अशोक नगर इलाके में हुआ, जहां बुधवार तड़के करीब 3.48 बजे भारी बारिश के कारण पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर गौशिया चॉल के

दो से तीन मकानों पर आ गिरा। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं।

मृतकों की पहचान मोहम्मद समीर अंसारी (14), साहिल हुसैन अब्दुल काजी (19), अबान आरिफ शेख (2), मनत आरिफ शेख (4), मरजीना आरिफ शेख (27), रमेश यादव (27) तथा एक अज्ञात व्यक्ति के रूप में हुई है। घायलों को राजावाड़ी और भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दमकल विभाग, पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), एंबुलेंस सेवा और बीएमसी कर्मियों की संयुक्त टीमों ने राहत एवं बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया था। संकरी गलियों और दुर्गम रास्तों के कारण बचाव दल को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए तथा घायलों के उपचार के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की है।

मुंबई के कुर्ला में बारिश से भूस्खलन

सात लोगों की मौत; चार घायल, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

मुंबई : मुंबई के कुर्ला इलाके में बुधवार (12 अगस्त) तड़के हुए भूस्खलन में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए हैं. द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं. बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3:48 बजे कुर्ला पश्चिम के चिराग नगर स्थित गौसिया चॉल में राठौड़ मेडिकल के पास हुई. पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर दो से तीन घरों पर जा गिरा, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ.

महापौर ऋतु तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर बचाव अभियान का जायजा लिया. उन्होंने बताया कि मलबे की चपेट में चॉल के आसपास के कमरे भी आए हैं. बीएमसी के एक अधिकारी के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने छह से आठ लोगों के मलबे में दबे होने की जानकारी दी थी. मृतकों में चार एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं, जिनमें दो बच्चे, एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं. दो मृतकों की पहचान 18 वर्षीय सोहेल अंसारी और 14 वर्षीय मोहम्मद अंसारी के रूप में हुई है. दोनों को राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया था.

सीएमओ डॉ. विशाल ने मोहम्मद अंसारी को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया, जबकि सोहेल के सिर में गंभीर चोटें आई थीं. बचाव अभियान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ बीएमसी के करीब 50 कर्मचारी जुटे हैं. मौके पर चार फायर इंजन, दो फायर टेंडर, दो रेस्क्यू वाहन, दो मोबाइल वॉटर टैंकर और एक वॉटर क्विक रिस्पॉन्स वाहन तैनात किए गए हैं. महापौर तावड़े ने कहा कि घटनास्थल और वहां तक पहुंचने वाला रास्ता बेहद संकरा है, जहां एक समय में केवल एक व्यक्ति ही गुजर सकता है.उन्होंने बताया कि बीएमसी के अधिकारी और कर्मचारी, मुंबई फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और मुंबई पुलिस मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं. तावड़े ने मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है.

मुंबई : पत्नी के चरित्र पर था शक, हत्या कर फरार हो गया पति

मुंबई : मुंबई के मालाड पूर्व स्थित कुरार गांव के तानाजी नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. 29 वर्षीय महिला सुचिता सालुंखे की उसके पति आकाश सालुंखे ने कथित तौर पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी. वारदात के बाद आरोपी खुद गंभीर रूप से घायल पत्नी को ऑटो रिक्शा से शताब्दी अस्पताल लेकर पहुंचा. अस्पताल में डॉक्टरों ने सुचिता को मृत घोषित कर दिया. इसके बाद आरोपी पति अस्पताल से फरार हो गया.

क्या है मामला ?

पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक आकाश और सुचिता ने प्रेम प्रसंग के बाद साल

2022 में परिवार की सहमति के बिना शादी की थी. शादी के बाद परिवार ने दोनों को घर से अलग कर दिया था, जिसके बाद दोनों किराए के मकान में रह रहे थे. आर्थिक तंगी के चलते सुचिता एक पैथोलॉजी लैब में नौकरी करती थी. पुलिस के अनुसार, आकाश को पत्नी के नौकरी करने और घर से बाहर जाने को लेकर उसके चरित्र पर शक था. इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था. आरोपी के शराब और नशे का आदी होने की बात भी सामने आई है. घटना के दिन भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई. विवाद बढ़ने पर आकाश ने कथित तौर पर गुस्से में सुचिता पर चाकू से कई वार कर दिए. हमले में सुचिता गंभीर रूप से घायल हो गई और खून से लथपथ हो गई.

मुंबईः अमेजन को बॉम्बे हाई कोर्ट की सख्ती एक्सपायर्ड सामान एफडीए की निगरानी में होगा नष्ट...

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने अमेजन रिटेल इंडिया को महाराष्ट्र के भिवंडी स्थित अपने गोदाम में रखे सभी एक्सपायर और खराब हो चुके सामान को महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन को सौंपने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि इन वस्तुओं का निस्तारण कानून के मुताबिक वैज्ञानिक तरीके से किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया का खर्च एमेजोन को उठाना होगा। अदालत का यह आदेश ऐसे समय आया है जब कुछ दिन पहले इसी मामले में हाई कोर्ट ने एफडीए की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने नियामक से कहा था कि नियमों को लागू करते समय कार्रवाई संतुलित और व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए।

भिवंडी गोदाम से जुड़ा है पूरा मामला

यह मामला महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी स्थित एमेजोन के गोदाम से जुड़ा है। एफडीए ने आरोप लगाया था कि गोदाम में रखे कुछ एक्सपायर खाद्य उत्पादों को नष्ट करने के बजाय खुदरा बाजार में भेजे जाने का प्रयास किया गया। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने गोदाम

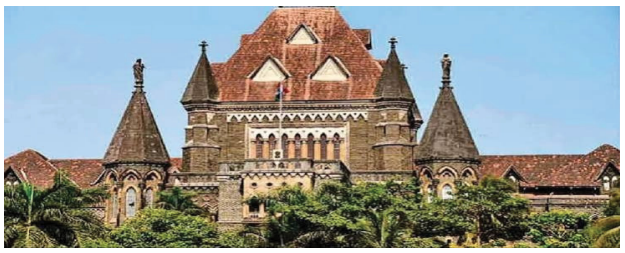

के खिलाफ कार्रवाई की और उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया। एमेजोन ने इस कार्रवाई को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

पहले एफडीए की कार्रवाई पर कोर्ट ने जताई थी नाराजगी

इस मामले की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र एफडीए की कार्रवाई के तरीके पर कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि किसी समस्या से निपटने के लिए जरूरत से ज्यादा कठोर कदम उठाना उचित नहीं है। कोर्ट की टिप्पणी का सार यह था कि नियामक को नियमों का पालन कराने के लिए व्यवस्थित और अनुपातिक कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि, अब अदालत ने एक्सपायर और खराब सामान के सुरक्षित निस्तारण को लेकर स्पष्ट अंतरिम व्यवस्था तय कर दी है।

एमेजोन को बनानी होगी सामान की पूरी सूची

हाई कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, एमेजोन को भिवंडी गोदाम में मौजूद सभी एक्सपायर और खराब हो चुके सामान की पूरी सूची तैयार करनी होगी। इसके बाद यह सामान संबंधित एफडीए अधिकारी को सौंपा जाएगा। एफडीए इन वस्तुओं को लागू कानून और निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट या निस्तारित करेगा। इस व्यवस्था का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उपयोग की अवधि पूरी कर चुके खाद्य उत्पाद किसी भी तरह दोबारा बाजार या उपभोक्ताओं तक न पहुंचें।

निस्तारण का खर्च भी एमेजोन उठाएगा अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक्सपायर और खराब सामान के वैज्ञानिक निस्तारण की लागत एमेजोन को वहन करनी होगी।

पुणेः एफडीए की कार्रवाई, 12 होटल-रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित

पुणेः त्योहारी सीजन से पहले अन्न एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पुणे और सांगली में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ा अभियान चलाया। गंदगी, एक्सपायरी सामान और नियमों के उल्लंघन पर 12 होटल-रेस्टोरेंट और बेकरी के लाइसेंस तत्काल निलंबित कर दिए गए। साथ ही करीब 1.49 लाख रुपए का मिठा मावा भी जब्त किया गया। महाराष्ट्र के अन्न सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर 'सेफ फूड, सेफ ड्रग, सेफ महाराष्ट्र' अभियान के तहत 1 से 10 अगस्त तक जांच की गई। एफडीए की टीम ने होटल, रेस्टोरेंट, बेकरी और किराना स्टोर्स

का औचक निरीक्षण किया। जांच में साफ-सफाई में लापरवाही, खराब और एक्सपायरी खाद्य पदार्थों का भंडारण पाया गया। इसके बाद 12 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई हुई। निलंबित किए गए नामों में द लोटस रिसॉर्ट लोणावला, द मसल फूड्स बिबवेवाड़ी, हुमा बेकरी पिंपरी-चिंचवड, न्यू महाराष्ट्र बेकर्स आंबेगांव बुद्रुक, माराकेश व्हेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड पर्वती, स्विन्स्टा ईएनटी प्राइवेट लिमिटेड वारजे शामिल हैं। इसके अलावा सांगली के श्रीकृष्ण किराणा स्टोर्स, होटल मंजर, होटल रॉयल सागर बीयर बार एंड परमिट रूम, होटल जीएम वडेवाला, भोसले सरकार चायनिज सेंटर और होटल द मास्टर शेफ मिरज का लाइसेंस भी निलंबित किया गया।

1 से 9 अगस्त के बीच पुणे विभाग में 19 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों का 41 लाख 38 हजार 667 रुपये का स्टॉक जब्त किया गया। संबंधित पुलिस थानों में भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान 14 खाद्य प्रतिष्ठानों को सील किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 14.90 लाख रुपये कीमत के 4 वाहन भी एफडीए ने जब्त किए।

बैंकॉक से ड्रग्स तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार, मुफ्त विदेश यात्रा के लालच में बने कैरियर

मुंबईः मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम्स विभाग ने बैंकॉक से ड्रग्स की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर दोनों संदिग्ध यात्रियों को रोका था। पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे बचपन के दोस्त हैं और एक हैंडलर के कहने पर नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए तैयार हुए थे। इसके बदले उन्हें बैंकॉक की मुफ्त विदेश यात्रा का लालच दिया गया था।

कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी मुंबई के रहने वाले हैं। इनमें सांताक्रूज निवासी ए.एच. मोदीवाला और खार निवासी एम.एम. मंसूरी शामिल हैं। दोनों बैंकॉक से मुंबई पहुंचे थे। अधिकारियों को पहले से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध यात्री प्रतिबंधित सामान लेकर विदेश से मुंबई पहुंच सकते हैं।

मुंबईः अण्णासाहेब डांगे ने महाराष्ट्र को टैंकरमुक्त बनाने में निभाई अहम भूमिकाः सीएम

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को सांगली में कहा कि महाराष्ट्र को टैंकरों के जाल से मुक्त करने और हर गांव तक पेयजल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम करने का श्रेय पूर्व मंत्री डॉ. अण्णासाहेब डांगे को जाता है। उन्होंने कहा कि डांगे ने प्रशासनिक पकड़, विषय के गहन अध्ययन और जमीनी स्तर की समस्याओं की समझ के बल पर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। मुख्यमंत्री फडणवीस आज सांगली जिले के वालवा तहसील के आष्टा में डॉ. अण्णासाहेब डांगे के नागरिक अभिनंदन, उनके आत्मचरित्र 'आम्रवृक्ष' के विमोचन तथा आष्टा शैक्षणिक परिसर की विभिन्न इमारतों के लोकार्पण का कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा संसदीय कार्य मंत्री और सांगली के पालकमंत्री चंद्रकांत पाटील ने की। कार्यक्रम में शिक्षा, समाजसेवा और सार्वजनिक जीवन में दीर्घकालीन योगदान के लिए संत ज्ञानेश्वर शिक्षण संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. अण्णासाहेब डांगे का मुख्यमंत्री फडणवीस के हाथों भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उनके जीवन पर आधारित आत्मचरित्र 'आम्रवृक्ष' का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने डांगे को पितृतुल्य व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि 1980 के दशक के अंत में किसानों की कर्जमाफी के आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई और किसानों के सवालों को व्यापक राजनीतिक स्वरूप दिया। उन्होंने कहा कि जब अण्णासाहेब डांगे जलापूर्ति मंत्री थे, तब उन्होंने महाराष्ट्र को टैंकरमुक्त करने का संकल्प लिया था।

मुंबईः सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स ने सोना तस्करी की कोशिश नाकाम की

मुंबईः सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी की एक कथित कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि उन्होंने लगभग 1.61 करोड़ रुपये कीमत का करीब 1,311 ग्राम संदिग्ध तस्करी का सोना बरामद किया। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की क्राइम एंड इंटेलिजेंस विंग ने एयरपोर्ट पर व्यवहार की पहचान (बिहेवियरल डिटेक्शन) और कड़ी निगरानी के आधार पर इस मामले को पकड़ा। सीआईएसएफ के अनुसार, यह घटना शाम करीब 4:20 बजे हुई, जब उनके कर्मचारियों ने इंटरनेशनल बोर्डिंग गेट के पास स्मोकिंग जोन के पास एक लोडर की संदिग्ध गतिविधि देखी। आरोप है कि लोडर एक महिला इंटरनेशनल ट्रांजिट यात्री से मोजे के अंदर छिपाई गई एक संदिग्ध चीज ले रहा था। सीआईएसएफ के मुताबिक, यात्री

दुबई से मुंबई एयरपोर्ट पहुंची थी और उसे आगे बैंकॉक जाना था। संदिग्ध गतिविधि देखकर सीआईएसएफ के कर्मचारियों ने दखल दिया और लोडर से पूछताछ की। जब वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, तो सुरक्षा कर्मियों ने बारीकी से तलाशी ली।

तलाशी के दौरान, सीआईएसएफ कर्मियों को अंडाकार आकार के चार कैप्सूल मिले, जिनमें लगभग 1,311 ग्राम संदिग्ध तस्करी का सोना था। शुरूआती आकलन के अनुसार, बरामद सोने की कीमत लगभग 1,61,38,417 रुपये थी। जब्ती के बाद, महिला यात्री, लोडर और बरामद संदिग्ध तस्करी के सोने को आगे की जांच और जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट को सौंप दिया गया। उम्मीद है कि कस्टम्स अधिकारी सोने के स्रोत और मंज़िल, उसे छिपाने के हालात और मामले में पकड़े गए लोगों की कथित भूमिका की जांच करेंगे।

यह घटना एयरपोर्ट पर संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में व्यवहार की पहचान और इंटेलिजेंस-आधारित निगरानी की भूमिका को उजागर करती है, खासकर उन मामलों में जहां प्रतिबंधित या बिना घोषित सामान को अजीब तरीकों से छिपाया जाता है। मुंबई एयरपोर्ट अक्सर कड़ी निगरानी में रहता है क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में इंटरनेशनल यात्री आते-जाते हैं और यह वेस्ट एशिया और साउथ-ईस्ट एशिया के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। कस्टम्स और एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियां इंटरनेशनल रूट से सोने और अन्य प्रतिबंधित सामान की तस्करी की कोशिशों का पता लगाने के लिए नियमित रूप से जांच करती रहती हैं। सीआईएसएफ ने कहा कि उसके कर्मचारी सतर्कता, पेशेवर स्क्रीनिंग और सहयोगी एजेंसियों के साथ तालमेल के जरिए भारत की एविएशन सुविधाओं में सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कस्टम्स की जांच चल रही है ताकि तस्करी की कथित कोशिश के पीछे की पूरी कड़ी का पता लगाया जा सके और यह तय किया जा सके कि इसमें और लोग भी शामिल थे या नहीं।

मुंबई लोकल सेवाएं प्रभावित, तकनीकी खराबी से यात्री परेशान...

मुंबई। पीक-ऑवर के दौरान मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली सबअर्बन ट्रेन सेवाओं को कई तकनीकी खराबियों का सामना करना पड़ा। वसई रोड, दादर और गोरेगांव में सामने आई अलग-अलग तकनीकी समस्याओं के कारण मुख्य फास्ट और हार्बर लाइन सेक्शन पर लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। सुबह के व्यस्त समय में इन दिक्कतों के चलते काम पर जाने वाले यात्रियों को स्टेशनों पर इंतजार करना पड़ा और कई यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय देना पड़ा।

रेलवे के अनुसार, वसई रोड स्टेशन के पास डाउन और अप फास्ट लाइनों से जुड़े पॉइंट मशीन 111/112 में सुबह करीब 4.46 बजे तकनीकी खराबी सामने आई। पॉइंट मशीन रेलवे ट्रैक के उन महत्वपूर्ण उपकरणों में शामिल होती है, जिनकी मदद से ट्रेनों को एक ट्रैक से दूसरे ट्रैक पर सुरक्षित तरीके से भेजा जाता है। इस प्रणाली में खराबी आने के बाद रेलवे कर्मचारियों को पॉइंट्स को मैन्युअल रूप से क्लैंप करना पड़ा।

वसई रोड पर अप फास्ट सेवाएं प्रभावित

पॉइंट मशीन में खराबी का सीधा असर अप फास्ट ट्रेनों की आवाजाही पर पड़ा। ट्रेन संचालन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए रेलवे कर्मचारियों को मौके पर तैनात किया गया और पॉइंट्स को मैनुअल तरीके से सुरक्षित किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान अप फास्ट लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, तकनीकी समस्या को दूर करने के लिए कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया था। रेलवे की टीम ने खराबी

को ठीक करने और ट्रैक संचालन को सामान्य करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

सुबह का समय मुंबई लोकल के लिए सबसे व्यस्त समय में से एक होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में यात्री उपनगरों से शहर के विभिन्न हिस्सों में काम के लिए यात्रा करते हैं। ऐसे में किसी प्रमुख लाइन पर तकनीकी खराबी का असर बड़ी संख्या में यात्रियों पर पड़ सकता है। दादर और गोरेगांव में भी तकनीकी दिक्कत वसई रोड के अलावा सोमवार सुबह दादर और गोरेगांव में भी सबअर्बन नेटवर्क से जुड़ी तकनीकी समस्याएं सामने आईं। इन घटनाओं के कारण मुख्य फास्ट और हार्बर लाइन सेक्शन पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

दादर मुंबई के सबसे महत्वपूर्ण रेलवे इंटरचेंज स्टेशनों में से एक है, जहां पश्चिमी और मध्य रेलवे नेटवर्क से बड़ी संख्या में यात्री गुजरते हैं। वहीं गोरेगांव पश्चिमी उपनगरों और हार्बर लाइन से जुड़े यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण स्टेशन है। ऐसे में इन क्षेत्रों में तकनीकी खराबी का असर यात्रियों की आवाजाही पर पड़ा। अलग-अलग स्थानों पर तकनीकी समस्याओं के कारण रेलवे कर्मचारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर परिचालन व्यवस्था संभालनी पड़ी। रेलवे का प्रयास रहा कि खराबी के दौरान भी ट्रेन संचालन को यथासंभव सुरक्षित रखा जाए और तकनीकी समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाए। पीक ऑवर में यात्रियों की बढ़ी परेशानी मुंबई की लोकल ट्रेन सेवाएं लाखों यात्रियों के दैनिक आवागमन का प्रमुख साधन हैं। सुबह के पीक ऑवर में ट्रेन सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट से स्टेशनों पर भीड़ बढ़ने लगती है। सोमवार को भी तकनीकी समस्याओं के कारण यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों के लिए ट्रेन में देरी का सीधा असर उनके कार्यालय पहुंचने के समय पर पड़ता है। खासकर लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को एक तकनीकी खराबी के कारण अपनी पूरी यात्रा में अतिरिक्त समय लग सकता है। फास्ट लोकल सेवाओं में रुकावट होने पर यात्रियों को धीमी लोकल या वैकल्पिक सेवाओं का सहारा लेना पड़ता है। इससे पहले से व्यस्त ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है। पॉइंट मशीन की खराबी बनी चुनौती वसई रोड पर पॉइंट मशीन 111/112 में खराबी रेलवे संचालन के लिहाज से महत्वपूर्ण थी। पॉइंट मशीनों के जरिए ट्रैक बदलने की प्रक्रिया नियंत्रित होती है और इनके सही तरीके से काम करना ट्रेन संचालन की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ठाणे में आवारा कुत्तों का आतंक, 163 लोग बने शिकार

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच अब तक 163 लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। कुत्तों के हमले और काटने की घटनाओं को लेकर स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। ठाणे नगर निगम के उप नगर आयुक्त प्रसाद बोरगांवकर ने बताया कि अलग-अलग इलाकों से कुत्ते के काटने के मामले सामने आए हैं और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। प्रसाद बोरगांवकर ने बताया कि अब तक कुल 58 डॉग बाइट के मामले रिपोर्ट किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को अकेले रुक्मिणीबाई अस्पताल में कुत्ते के काटने के 17 मामले सामने आए। अचानक बढ़ी घटनाओं को देखते हुए नगर निगम की डॉग कैचर टीम को संबंधित इलाके में भेजा गया। उप नगर आयुक्त के अनुसार, 9 अगस्त की रात नगर निगम की डॉग कैचर टीम ने इलाके में घूम रहे आक्रामक कुत्तों को पकड़कर निर्धारित केंद्र में पहुंचाया। निगम की टीम उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है जहां लोगों पर कुत्तों के हमले या काटने की घटनाएं अधिक सामने आ रही हैं। प्रशासन की ओर से लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवारा और आक्रामक कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम की टीमें प्रभावित इलाकों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि लोगों की शिकायतों और सामने आ रही घटनाओं के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक भर्ती का मौका, ठाणे जिला परिषद में 526 पदों पर आवेदन शुरू...

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार के पवित्र पोर्टल के जरिए शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत, ज़िला परिषद, ठाणे के शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक (प्राइमरी टीचर)की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया में, मराठी मीडियम के 499 और उर्दू मीडियम के 27 पदों सहित कुल 526 प्राथमिक शिक्षकों के पद उपलब्ध कराए गए हैं। ज़िला परिषद, ठाणे के प्राथमिक शिक्षा विभाग में खाली पदों को भरने के संबंध में, यह भर्ती प्रक्रिया ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र सरकार के पवित्र पोर्टल के जरिए ऑनलाइन लागू की जाएगी। योग्य उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पवित्र पोर्टल पर प्रकाशित विज्ञापन को ध्यान से पढ़ना चाहिए और उसमें उल्लिखित शैक्षिक और व्यावसायिक योग्यता, पात्रता मानदंड और आरक्षण के प्रावधानों की जांच करनी चाहिए।

बताया जाता है कि इस भर्ती में कुल 526 प्राथमिक शिक्षक पद उपलब्ध हैं, जिनमें मराठी माध्यम के लिए 499 और उर्दू माध्यम के लिए 27 पद हैं। संबंधित पदों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार, योग्य उम्मीदवारों को पवित्र पोर्टल पर अपनी पसंद दर्ज करनी होगी। उम्मीदवारों को पसंद भरते समय विज्ञापन में उल्लिखित सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए और प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऑनलाइन प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत की गई व्यक्तिगत, शैक्षिक और व्यावसायिक जानकारी सही है। यदि गलत या अधूरी जानकारी प्रस्तुत की जाती है, तो जिम्मेदारी संबंधित उम्मीदवार की रहेगी।

पवित्र पोर्टल पर उपलब्ध विज्ञापन के अनुसार, योग्य उम्मीदवारों को 11 अगस्त 2026 तक अपनी पसंद दर्ज करनी चाहिए। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त आवेदनों या पसंद के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसलिए, शिक्षा विभाग ने योग्य उम्मीदवारों से समय सीमा का इंतजार किए बिना निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

भर्ती(रिक्रूटमेंट)प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले प्रत्याशी को सरकारी नियमों के मुताबिक आरक्षण नियम, शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यताओं के साथ-साथ दूसरे पात्रता मापदंड (एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया)जरूर चेक कर लेने चाहिए। आवेदक को पवित्र पोर्टल पर प्रकाशित अधिकृत विज्ञापन और समय-समय पर प्रकाशित निदेशों को नियमित समीक्षा करना चाहिए।

मुंबईः राहुल गांधी दिल्ली में छात्रों के साथ हुई बर्बरता मामले में सही सवाल उठा रहे हैं : भाई जगताप

मुंबईः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भाई जगताप ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता के मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही तय करने की मांग की है। भाई जगताप ने कहा कि 20 जुलाई को संसद घेराव के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया, पैलेट गन चलाई और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान कई छात्र घायल हुए। राहुल गांधी सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही ही मांग रहे हैं, लेकिन अमित शाह सदन में नहीं आ रहे हैं। राहुल गांधी की यह मांग बिल्कुल सही है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

आईएएनएस से बातचीत में भाई जगताप ने राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि यह हकीकत है कि बच्चों की आंखों में पैलेट गन के छर्रे लगे और उनके शरीर पर आंसू गैस का असर हुआ। एक बच्चे की तो आंख ही चली गई। इसकी

जिम्मेदार केंद्र सरकार ही हो सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री के इशारे के बगैर पैलेट गन नहीं चल सकती। जवाबदेही उन्हीं की है, क्योंकि सरकार उनकी है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश की निगरानी में होनी चाहिए। यदि केंद्र सरकार एसआईटी का गठन भी करती है तो जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठेंगे। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पैलेट गन चलाने के लिए गृह मंत्री की अनुमति जरूरी होती है।

दिल्ली पुलिस के आयुक्त भी तब तक ऐसा आदेश नहीं दे सकते, जब तक गृह मंत्रालय से अनुमति न मिले। प्रधानमंत्री की कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात पर भाई जगताप ने कहा कि देश के बच्चे खेलों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉक्सिंग में देश की बेटियों ने शानदार हुनर दिखाया है और जूडो में भी बेटियों ने पदक हासिल किए हैं। महाराष्ट्र के एक किसान के बेटे ने दौड़ में पदक हासिल कर देश का नाम रोशन किया है।

संपादकीय...

लिस्टिंग से बढ़ सकती है जवाबदेही...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

टाटा ट्रस्ट्स के साथ महीनों से चल रहे तनाव के बाद टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का पद छोड़ना समूह की विवादित रही संगठनात्मक संरचना में सुधार से जुड़े कदम उठाए जाने का संकेत देता है। एक परोपकारी संस्था टाटा ट्रस्ट्स के भीतर और टाटा ट्रस्ट्स तथा टाटा संस के बीच हुए टकराव के कारण हाल के दिनों में जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उनमें एक पारिवारिक स्वामित्व वाले कारोबार के लक्षण स्पष्ट नजर आते हैं। ये हालात समूह की प्रतिष्ठा के विरुद्ध हैं। ध्यान रहे कि बड़ी संख्या में कंपनियों को पेशेवर ढंग से संचालित करना और प्रबंधन प्रतिभाओं को विकसित करना टाटा समूह की पहचान रही है। साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से अचानक हटाए जाने के करीब एक दशक बाद का यह घटनाक्रम टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी में अधिक पारदर्शिता और सुव्यवस्था की आवश्यकता को और मजबूत करता है। इस दिशा में एक रास्ता यह हो सकता है कि टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाए। इससे उसकी जवाबदेही बढ़ेगी। मौजूदा स्वरूप में टाटा ट्रस्ट्स इतने बड़े कारोबारी समूह के निर्णयकर्ता की भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं है।

नोएल टाटा अक्टूबर 2024 में अपने सौतेले भाई रतन टाटा के निधन के बाद से टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने। तब से ही ट्रस्ट्स आंतरिक मतभेदों के दौर से गुजर रहा है। हालांकि विवाद के कई अन्य मुद्दे भी हैं लेकिन मुख्य रूप से दो मुद्दों को लेकर मतभेद सामने आए हैं। पहला मुद्दा टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने से जुड़ा है। यह मामला भारतीय रिजर्व बैंक के समक्ष लंबित है। दूसरा मुद्दा 63 वर्षीय एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में तीसरा कार्यकाल दिए जाने को लेकर था। पहले मुद्दे की बात करें तो रिजर्व बैंक ने हाल ही में टाटा संस को ऊपरी श्रेणी की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की सूची में स्थान दिया था लेकिन उसने यह भी कहा था कि उसके 2024 के उस आवेदन का अभी भी परीक्षण किया जा रहा है जिसमें उसने एक कोर निवेश कंपनी के रूप में पंजीयन समाप्त किए जाने का अनुरोध किया है। इसके चलते टाटा संस की शेयर बाजार में सूचीबद्धता से जुड़ा मामला अभी भी अटका हुआ है। रिजर्व बैंक ने 2022 में ऊपरी स्तर की एनबीएफसी के लिए तीन साल के भीतर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना अनिवार्य किया था।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

ठाणे में घर खरीदने वालों को राहत... म्हाडा फ्लैटों की कीमतें घटेंगी

ठाणे : महाराष्ट्र में घर खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी को ठाणे के चितलसर-मनपाड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ्लैटों की कीमतों में संशोधन कर उन्हें कम करने का निर्देश दिया है। नए निदेर्शों के बाद इस परियोजना के तहत उपलब्ध घरों की कीमतें पहले की तुलना में कम हो सकती हैं, जिससे आम खरीदारों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

सरकार के निर्देश के मुताबिक, फ्लैटों की कीमत तय करने के लिए अब 2020-21 के रेडी रेकनर रेट को आधार बनाया जाएगा। इससे उन आवेदकों को राहत मिलेगी, जिन्होंने म्हाडा की योजना के तहत घर पाने की उम्मीद में आवेदन किया था, लेकिन मौजूदा कीमतों के कारण उनके सामने वित्तीय चुनौती खड़ी हो रही थी।

434 सफल आवेदकों को मिलेगा सीधा लाभ

चितलसर-मनपाड़ा परियोजना के तहत लॉटरी में सफल रहे 434 आवेदकों के लिए यह फैसला खास तौर पर महत्वपूर्ण है। इन आवेदकों ने पहले ही अपने एक्सेप्टेंस लेटर जमा कर दिए हैं। अब उन्हें संशोधित और कम कीमतों पर फ्लैट का अलॉटमेंट दिया जाएगा। इसका मतलब है कि जिन लोगों ने पहले ही म्हाडा की लॉटरी प्रक्रिया में सफलता हासिल कर ली है, उन्हें दोबारा आवेदन करने या नई लॉटरी में शामिल होने की जरूरत नहीं होगी। उनके लिए कीमतों को संशोधित कर राहत देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सरकार के इस कदम से उन परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो घर खरीदने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं और कीमतों में कमी का इंतजार कर रहे थे। बिना बिके फ्लैटों के लिए फिर निकलेगी लॉटरी परियोजना में जो फ्लैट अभी तक बिक नहीं पाए हैं, उनके लिए म्हाडा नई प्रक्रिया अपनाएगा। इन बिना बिके फ्लैटों की कीमतें भी संशोधित की जाएंगी और नई कीमतों के आधार पर नई लॉटरी निकाली जाएगी। इससे उन लोगों के लिए भी अवसर पैदा होगा, जो पिछली लॉटरी में सफल नहीं हो पाए थे या उस समय योजना के लिए आवेदन नहीं कर सके थे। नई कीमतों के साथ योजना दोबारा सामने आने पर अधिक लोग इसमें रुचि ले सकते हैं।

2020-21 के फ्फ़ रेट को बनाया जाएगा आधार फ्लैटों की कीमत कम करने के लिए 2020-21 के रेडी रेकनर रेट को आधार बनाने का फैसला महत्वपूर्ण है। रेडी रेकनर दर किसी क्षेत्र में जमीन और संपत्ति के सरकारी मूल्यांकन का एक प्रमुख आधार होती है। संपत्ति से जुड़े कई लेन-देन और शुल्क तय करने में इसका इस्तेमाल किया जाता है। पुराने फ्फ़रेट को आधार बनाने से मौजूदा मूल्यांकन की तुलना में फ्लैटों की कीमत कम होने की संभावना है। इससे घर खरीदने वालों पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ कम हो सकता है। हालांकि, प्रत्येक फ्लैट की संशोधित कीमत कितनी होगी, यह म्हाडा की ओर से नई गणना और आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगा। ठाणे में किफायती आवास की मांग मुंबई महानगर क्षेत्र में ठाणे लंबे समय से घर खरीदने वालों के लिए प्रमुख विकल्प बनकर उभरा है। मुंबई की तुलना में अपेक्षाकृत किफायती कीमतों और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण बड़ी संख्या में लोग ठाणे और आसपास के इलाकों में घर खरीदना चाहते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जमीन और निर्माण लागत बढ़ने के कारण आवास की कीमतों में भी वृद्धि हुई है।

मुंबईः दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके, पालघर में प्रशासन अलर्ट...

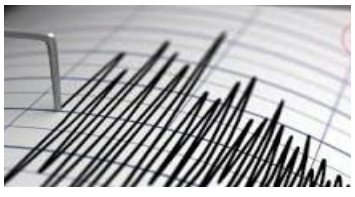

मुंबईः महाराष्ट्र के पालघर जिले में बीती रात लगातार दो भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। जव्हार-विक्रमगढ़ क्षेत्र में आए दोनों भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 और 3.4 मापी गई। लेकिन कम तीव्रता के इन झटकों से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। प्रशासन ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने और भूकंप के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करने की अपील की है। पालघर जिला सूचना कार्यालय के अधिकारी ने आज बताया कि पहला भूकंप बीती रात 10 बजकर 04 मिनट पर महसूस किया गया, जबकि दूसरा झटका रात करीब 11 बजे आया। दोनों झटकों की तीव्रता क्रमशः 3.2 और 3.4 रही। जिला सूचना विभाग ने बताया कि भूकंप का केंद्र पालघर जिले के जव्हार तालुका में जमीन से करीब पांच किलोमीटर की गहराई में बताया गया है। लगातार दो झटके महसूस होने के बाद स्थानीय लोगों में डर फैल गया।

हालांकि, भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और भूकंप के दौरान सुरक्षित स्थान पर जाने समेत आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करें। पालघर महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में स्थित है और जिले में पिछले कुछ वर्षों से कम तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए जाते रहे हैं। पिछले महीने भी जिले के अलग-अलग हिस्सों में भूकंप के कई झटके दर्ज किए गए थे। इससे पहले 31 जुलाई को पालघर जिले में 3.5 तीव्रता का भूकंप आया था। वहीं, 25 जुलाई को भारी बारिश के बीच दहानू तहसील के गंजाड क्षेत्र में 3.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

मुंबई : शिवसेना विवाद में उद्धव गुट का चुनाव आयोग पर निशाना

मुंबईः सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत शिवसेना के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने से इनकार करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। उद्धव ठाकरे गुट ने तर्क दिया कि विधायी विंग में विभाजन को अपने आप में राजनीतिक दल में विभाजन नहीं माना जा सकता है। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश के अनुच्छेद 15 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राजनीतिक दल में विभाजन के परिणामस्वरूप दो प्रतिद्वंद्वी गुट बन जाएं। चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के अनुच्छेद 15 के तहत चुनाव आयोग को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिद्वंद्वी समूहों या गुटों द्वारा दल के नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किए जाने पर विवादों का निपटारा करने का अधिकार दिया गया है। आयोग का निर्णय सभी प्रतिद्वंद्वी गुटों पर बाध्यकारी होगा। उन्होंने तर्क दिया कि विधायी दल की एक अलग बैठक इस तरह के विभाजन का कारण नहीं बन सकती। ''चुनाव आयोग का कहना है कि शिवसेना में फूट पड़ने का संकेत विधायक दल की अलग बैठक का आयोजन था। विधायक दल की अलग बैठक का आयोजन कभी भी पार्टी में फूट का कारण नहीं बन सकता,'' सिबल ने कहा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ भारतीय चुनाव आयोग के शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देने के फैसले को चुनौती देने वाली एक अलग याचिका पर भी सुनवाई कर रही थी।उद्धव ठाकरे गुट की ओर से पेश होते हुए सिबल ने तर्क दिया कि वैधानिक योजना एक राजनीतिक दल और उसके विधायी विंग के बीच अंतर करती है।

भिवंडी में जाम से हाहाकार, संकरी सड़कों पर घंटों फंसे वाहन...

भिवंडी: महाराष्ट्र के भिवंडी और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम अब वाहन चालकों के लिए रोज की परेशानी बनता जा रहा है। शहर को अंजुरफाटा, मनकोली, पिंपलास, कल्याण और राजनोली से जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों पर दिन के कई समय लंबी कतारें लग रही हैं। भारी वाहनों की बढ़ती आवाजाही, खराब और गड्ढों वाली सड़कें, संकरी लेन और जगह-जगह चल रहे अधूरे निर्माण कार्यों के कारण यातायात व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। भिवंडी देश के प्रमुख वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स केंद्रों में शामिल है। शहर और इसके आसपास लगातार नए गोदाम और लॉजिस्टिक्स हब विकसित होने से ट्रकों और अन्य भारी वाहनों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। बड़ी संख्या में मालवाहक वाहन गुजरात और दूसरे राज्यों से भिवंडी के गोदामों तक पहुंचते हैं। इसके कारण पहले से दबाव झेल रही सड़कों पर यातायात का भार और बढ़ गया है।

अंजुरफाटा-मनकोली मार्ग पर सबसे ज्यादा दबाव

गुजरात से भिवंडी की ओर आने वाले कई भारी वाहन स्टेट हाईवे के चिंचोटी-अंजुरफाटा-मनकोली हिस्से का इस्तेमाल करते हैं। यह मार्ग भिवंडी के औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है। हालांकि, मौजूदा समय में सड़क पर कंक्रीट बिछाने का काम चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण कई जगह सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। कुछ हिस्सों में सड़क की सतह खराब है, जबकि कहीं-कहीं वाहनों के गुजरने के लिए सीमित जगह ही बचती है। भारी वाहनों के साथ छोटे वाहन भी इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं, जिससे यातायात का दबाव और बढ़ जाता है।

अंजुरफाटा के पास सड़क के संकरे हो जाने के कारण वाहनों की रफ्तार काफी कम हो जाती है। जब एक साथ बड़ी संख्या में ट्रक और अन्य वाहन इस हिस्से से गुजरते हैं तो कुछ ही समय में लंबी कतार लग जाती है। इसका असर आसपास के दूसरे मार्गों पर भी देखने को मिलता है। रेलवे लाइन के नीचे सिंगल लेन रास्ता अंजुरफाटा से आगे बढ़ने पर यातायात की समस्या और गंभीर हो जाती है। वाहनों को रेलवे लाइन के नीचे बने एक सिंगल-लेन रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। दोनों दिशाओं से आने वाले वाहनों के लिए सीमित जगह होने के कारण यहां अक्सर यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो जाती है।

भारी ट्रकों के इस हिस्से में प्रवेश करने पर समस्या और बढ़ जाती है। एक बड़े वाहन को निकलने में अधिक समय लगने के कारण पीछे वाहनों की कतार बनती चली जाती है। यदि विपरीत दिशा से भी भारी वाहन आ जाएं तो जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती है। इसका असर केवल मालवाहक वाहनों पर नहीं पड़ता। रोजाना इस मार्ग का इस्तेमाल करने वाले स्थानीय निवासी, दोपहिया वाहन चालक, कर्मचारी और छोटे व्यापारी भी जाम में फंसते हैं। भिवंडी पिछले कुछ वर्षों में बड़े वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स हब के केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हुआ है। मुंबई महानगर क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां बड़ी कंपनियों ने माल भंडारण और वितरण के लिए गोदाम बनाए हैं। ई-कॉमर्स और संगठित रिटेल के विस्तार के साथ भिवंडी में माल की आवाजाही भी बढ़ी है। देश के अलग-अलग हिस्सों से सामान लेकर आने वाले ट्रक यहां पहुंचते हैं और फिर मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली तथा आसपास के क्षेत्रों में माल की आपूर्ति करते हैं।

दिवा स्टेशन पर टिकट चेकिंग की बड़ी कार्रवाई,

233 यात्री बिना टिकट पकड़े गए...

मुंबई। मुंबई की उपनगरीय रेल व्यवस्था में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ रेलवे प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी अभियान के तहत सोमवार, 10 अगस्त को दिवा रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों और टिकट जांच कर्मचारियों की टीम ने स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की जांच की। अभियान के दौरान कुल 233 यात्रियों को बिना वैध टिकट के यात्रा करते हुए पकड़ा गया। रेलवे प्रशासन की ओर से पकड़े गए यात्रियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई और उनसे कुल 1,04,830 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। विशेष टिकट

जांच अभियान का उद्देश्य यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने से रोकना और रेलवे के नियमों का पालन सुनिश्चित करना रहा।

दिवा स्टेशन पर चला विशेष अभियान मुंबई की उपनगरीय रेलवे में प्रतिदिन लाखों यात्री लोकल ट्रेनों के माध्यम से यात्रा करते हैं। यात्रियों की बड़ी संख्या के बीच टिकट जांच रेलवे प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी क्रम में सोमवार को दिवा स्टेशन पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टिकट जांच टीम ने यात्रियों के पास मौजूद टिकट और यात्रा संबंधी दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान जिन यात्रियों के पास वैध टिकट नहीं पाया गया, उन्हें रोककर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

रेलवे अधिकारियों ने अभियान को सघन तरीके से संचालित किया, जिसके परिणामस्वरूप 233 यात्री बिना वैध टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए। 1,04,830 रुपये का जुमार्ना बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान रेलवे ने कुल 1,04,830 रुपये का जुमार्ना लगाया। यह राशि उन यात्रियों के खिलाफ की गई कार्रवाई से जुड़ी है, जिन्हें जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। रेलवे प्रशासन का कहना है कि टिकट लेकर यात्रा करना प्रत्येक यात्री की जिम्मेदारी है। बिना टिकट यात्रा करना रेलवे नियमों का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में यात्रियों के खिलाफ जुमार्ना लगाने का प्रावधान है।

ठाणे : कोपरी की खाड़ी का अस्तित्व संकट में, रामसर दर्जे के बाद भी जारी कंक्रीटीकरण...

ठाणे : ठाणे खाड़ी को अंतरराष्ट्रीय रामसर साइट का दर्जा मिला; लेकिन, इस खाड़ी की गोद में रहने वाले कोपरीकरों को अपनी ही खाड़ी की सुंदरता देखने देने के लिए रुकावटों की दीवार खड़ी कर दी गई है। एक तरफ बायोडायवर्सिटी बचाने की बात और दूसरी तरफ कंक्रीट का विकास, ऐसी ही अजीब स्थिति ठाणे ईस्ट के चेंदानी कोलीवाड़ा पोर्ट (गणपति विसर्जन घाट) पर देखने को मिल रही है। अगस्त 2022 में, ठाणे खाड़ी को रामसर साइट का दर्जा मिला। इससे सभी को खाड़ी और मैंग्रोव जंगल के लगभग 6,500 हेक्टेयर इलाके की अहमियत समझ में आई। लेकिन, स्मार्ट सिटी और वॉटर फ्रंट डेवलपमेंट के नाम पर चेंदनी पोर्ट इलाके की कुदरती छटा कम कर दी गई है और बड़े पैमाने पर कंक्रीटिंग और कुदरती छटा कम होने की वजह से कोपरीकर की 'मिनी चौपाटी' अपनी कुदरती खूबसूरती खो रही है।इस संबंध में ठाणे स्मार्ट सिटी के कार्यकारी अभियंता मोहन कलाल से संपर्क करने पर उन्होंने अधिकृत रूप से कुछ भी कहने से इनकार किया है। बताया जाता है कि ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो, सीगल, जंगली बत्तख, सैंडपाइपर, पेंटेड स्टॉर्क, स्पूनबिल जैसे पक्षियों के लिए एक जरूरी जगह है।

मुंबई : कैडिला केस में एफडीए को झटका हाई कोर्ट ने लगाई फटकार...

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने दवा कंपनी कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के खिलाफ महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने बिक्री रोकने और दवाओं का स्टॉक जब्त करने जैसे कदमों को लेकर नियामक एजेंसी के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि कानून में पहले कार्रवाई करना और बाद में सवाल पूछना स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र एफडीए ने कैडिला के खिलाफ जारी मौजूदा स्टॉप-सेल आदेश वापस लेने पर सहमति जताई है। एजेंसी ने अदालत को भरोसा दिलाया कि भविष्य में किसी भी तरह की कठोर कार्रवाई से पहले उचित कानूनी प्रक्रिया का

पालन किया जाएगा।मंगलवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर. वी. घुगे और जस्टिस गौतम अंखाद की पीठ कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कंपनी ने महाराष्ट्र एफडीए के उन निदेशों को चुनौती दी थी, जिनके तहत उसकी कुछ दवाओं की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के साथ करीब 2.45 करोड़ रुपये का स्टॉक जब्त किया गया था। कंपनी की ओर से अदालत में कहा गया कि एफडीए ने कार्रवाई करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया।

मामला कैडिला की कुछ दवाओं के नाम और ब्रांडिंग में कथित समानता से जुड़ा है। एफडीए ने एसीलोक 150, एसीलोक 150 प्लस, एसीलोक 300 और एसीलोक 300 प्लस जैसी दवाओं को लेकर कार्रवाई की थी। नियामक एजेंसी का तर्क था कि इन दवाओं की ब्रांडिंग में समानता के कारण मरीजों और ग्राहकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी आधार पर राज्यभर में कुछ दवाओं की बिक्री और वितरण पर रोक लगाई गई थी तथा कंपनी के लगभग 2.45 करोड़ रुपये के स्टॉक को जब्त किया गया था।

मुंबई : डीआरआई का बड़ा एक्शन, नाइजीरिया भेजी जा रही प्रतिबंधित दवाएं बरामद 3 गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय ने मनःप्रभावी दवाओं के अवैध निर्माण और विदेश भेजने के प्रयास से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। जांच एजेंसी ने मुंबई एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में कार्रवाई करते हुए नाइजीरिया भेजी जा रही बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं की खेप बरामद की। मामले में नेटवर्क से जुड़े तीन प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई के अधिकारियों के मुताबिक, 2 अगस्त को मुंबई एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स पर एक संदिग्ध खेप को रोका गया था। दस्तावेजों में इस खेप को प्रीगाबालिन कैप्सूल के रूप में घोषित किया गया था। जांच और

तलाशी के दौरान अधिकारियों ने इसमें 1 लाख ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड और 1 लाख टैपेंटाडोल टैबलेट बरामद कीं। दोनों दवाओं का इस्तेमाल चिकित्सकीय परिस्थितियों में किया जाता है, लेकिन इनके दुरुपयोग और अवैध कारोबार को लेकर एजेंसियां लगातार कार्रवाई करती रही हैं।

खेप की जांच आगे बढ़ने पर डीआरआई अधिकारियों को महाराष्ट्र में चल रहे एक संगठित नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि बरामद टैपेंटाडोल का निर्माण महाराष्ट्र के अंबरनाथ इलाके में किया जा रहा था। इसके बाद तैयार दवाओं को मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित एक गोदाम में ले जाकर दोबारा पैक किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके आधार पर डीआरआई ने संबंधित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और कच्चा माल बरामद किया गया। एजेंसी अब बरामद सामग्री और दस्तावेजों की जांच कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर जमकर बरसाए बम...7 लोगों की मौत!

रूस के सीमांत इलाकों में भारी नुकसान

रूस : रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर भीषण युद्ध छिड़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर रातभर बमबारी की। इसमें दोनों देशों के कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के शहरों में रूस रोजाना बड़े हमले कर रहा है। इससे यूक्रेन को भारी नुकसान हो रहा है।

यूक्रेन के पास अमेरिका का पैट्रियट सिस्टम एकमात्र एयर डिफेंस है, लेकिन इसके इंटरसेप्टर की भारी कमी होने के कारण यूक्रेन रूसी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है। हालांकि, यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई में रूस को नुकसान पहुंचाया है।

यूक्रेन ने रूस के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन हमला किया। इससे बेलगोरोड में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो दर्जन लोग घायल हो गए। इनमें एक 4 साल का लड़का भी शामिल है। वहीं, यूक्रेन के खार्किव में एक ऊंची बिल्डिंग वाले अपार्टमेंट ब्लॉक पर रूसी मिसाइलों से हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यूक्रेन के ब्लैक सी पोर्ट ओडेसा में दर्जनों मिसाइलों और ड्रोन के हमले में आठ लोग घायल हो गए।

यूक्रेन में पैट्रियट सिस्टम की कमी

यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की कई महीनों से अमेरिका और अन्य देशों से पैट्रियट सिस्टम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। हालांकि, अमेरिका खुद ईरान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और वहां पैट्रियट सिस्टम की कमी हो गई है। जेलेंस्की यूक्रेन के अंदर पैट्रियट सिस्टम बनाने की अनुमति चाहते हैं या एलन मस्क से अपने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करके रूस के अंदर हमलों को गाइड करने की मंजूरी लेना चाहते हैं, जो उसके मिसाइल लॉन्चर को मार गिरा सकते हैं।

रूस में फ्यूल संकट गहराया

रूस के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, देश के सबसे बड़े ऑनलाइन रिटेलर, वाइल्डबेरीज और रूस के अंदर दूसरे टारगेट पर यूक्रेन लंबी दूरी के ड्रोन से हमला कर रहा है। इससे रूस में फ्यूल का संकट पैदा हो गया है।

रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने रविवार को दावा किया कि रात भर में खार्किव इलाके में ड्रोन वेयरहाउस, ओडेसा पोर्ट पर यूक्रेन की सेना के फ्यूल डिपो और दूसरे सामान के स्टोर शामिल थे। रूस ने रात में 153 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया।

रूस के बेलगोरोड इलाके में भारी नुकसान

रूस के बेलगोरोड इलाके के अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 29 अपार्टमेंट ब्लॉक और पांच प्राइवेट घरों के साथ-साथ एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग और अनजान ''कमर्शियल जगहों'' को नुकसान पहुंचा है। मेयर एंड्री क्रावचेंको ने रविवार को कहा कि यूक्रेन के ड्रोन का मलबा रूस के शहर नोवोरोस्सिय्स्क में दो कंपनियों और एक प्राइवेट घर पर भी गिरा।

उत्तर प्रदेश की पंचायतों में अब शीघ्र गति पकड़ेगा काम,

प्रशासकों के अधिकारों पर जल्द होगा निर्णय

उत्तर प्रदेश : केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है. जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया. नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी हर दिन गोल पोस्ट बदल रहे हैं और उनका मकसद बातचीत करना नहीं, बल्कि विवाद खड़ा करना है. उन्होंने कहा कि राहुल अराजकता फैलाना चाहते हैं. वह झूठ बोल रहे हैं.

जेपी नड्डा ने कहा, ''राहुल ने दावा किया कि जंतर-मंतर पर गोलियां चलाई गईं, जबकि असल में ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी.

गृह मंत्री हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं. हमारा रुख हमेशा से साफ रहा है कि सदन को चलने दें. अगर सदन चलता है, तो हम हर मुद्दे का जवाब देने के लिए तैयार हैं, जैसा कि हम हमेशा करते आए हैं. हमारा ट्रैक रिकॉर्ड इसका गवाह है.''

जेपी नड्डा ने कहा, ''राहुल गांधी संसद और देश में मुद्दों को लेकर अपना रुख लगातार बदलते रहते हैं. शुरूआत में, सत्र के शुरू होने पर उन्होंने NEET पर चर्चा की मांग की थी. जब हम इसके लिए तैयार हो गए, तो उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट का मुद्दा उठाया. इसके बाद, उन्होंने जोर दिया कि गृह मंत्री जंतर-मंतर की घटना पर बयान दें.''

15 दिनों से कार्यवाही में बाधा डाल रहा विपक्ष

जेपी नड्डा ने कहा, ''उनका इरादा सदन को काम करने से रोकना है. वह नहीं चाहते कि सदन चले, इसीलिए वह पिछले 15 दिनों से कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं और साथ ही जंतर-मंतर के मुद्दे पर चर्चा की मांग भी कर रहे हैं. आज, जब यह तय हुआ कि जंतर-मंतर के मुद्दे पर चर्चा होगी, तो उन्होंने लोगों और देश को गुमराह करना शुरू कर दिया.''

अलीगढ़: कुत्ते के भौंकने पर गुस्साया शख्स, लाइसेंसी रिवॉल्वर से मारी गोली...

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने कुत्ते के भौंकने से नाराज होकर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से कुत्ते को गोली मार दी. वहीं एक युवक ने इसका विरोध किया तो उसे भी गोली मार दी. कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गोली लगने से युवक घायल हो गया है. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना हरदुआगंज थाना क्षेत्र के भोजपुर गांव की है. पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को विश्वजीत उर्फ विशु (45 वर्ष) मोटरसाइकिल से अपने खेत की ओर जा रहा था. इसी दौरान रास्ते में उसका सामना हरिओम के बेटे विकास शर्मा से हुआ. बताया जा रहा है कि इसी दौरान विकास के कुत्ते के भौंकने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. विवाद इतना बढ़ गया कि विश्वजीत गुस्से में आ गया और उसने गाली गलौज शुरू कर दी. आरोप है कि गुस्से में विश्वजीत ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाल ली और कुत्ते पर फायर कर दिया. गोली लगते ही कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई. विकास ने इसका विरोध किया तो विश्वजीत ने उस पर भी गोली चला दी. गोली विकास के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

घायल युवक अस्पताल में भर्ती, आरोपी फरार

गोली लगने के बाद विकास को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है. अलीगढ़ के एसपी ग्रामीण मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि विकास शर्मा की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि विकास और विश्वजीत के खेत आसपास हैं. किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ, जिसके बाद विश्वजीत ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी. एक गोली कुत्ते को लगी, जबकि दूसरी गोली विकास के पैर में लगी है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी घटना के बाद फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. पुलिस लाइसेंसी हथियार के इस्तेमाल और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है.

लाठी से नहीं, संवाद से चलेगा झारखंड... युवाओं को न्याय कब मिलेगा? रघुवर दास ने हेमंत सरकार पर बोला हमला

झारखंड : झारखंड की राजधानी रांची में अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत एनडीए के विधायकों को हिरासत में लिए जाने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भड़क गए हैं. इस मामले को लेकर उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे छात्रों पर लाठी बरसाना और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जनप्रतिनिधियों को हिरासत में लेना सरकार के तानाशाही चरित्र को उजागर करता है. लोकतंत्र में सवाल पूछना और अपनी मांगों के लिए आवाज उठाना हर नागरिक का

अधिकार है. सरकार को इस अधिकार का सम्मान करना चाहिए, न कि पुलिस की लाठियों के दम पर आंदोलन को कुचलने का प्रयास करना चाहिए.

बल प्रयोग का रास्ता गलत

उन्होंने कहा कि लाठी के जोर पर युवाओं की आवाज नहीं दबाई जा सकती. आवाज को जितना दबाने का प्रयास किया जाएगा, उसकी गूंज उतनी ही दूर तक जाएगी. आज झारखंड का युवा अपने भविष्य, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है. सरकार को युवाओं की जायज मांगों का समाधान करना चाहिए, उन्हें डराने-धमकाने या बल प्रयोग करने का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए. रघुवर दास ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक मयार्दाओं को तार-तार करने से बाज आए. छात्रों के साथ हुई कार्रवाई और विपक्षी नेताओं की हिरासत का जवाब सरकार को देना होगा. उन्होंने सवाल किया कि परीक्षाओं में पारदर्शिता कब सुनिश्चित होगी, अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कब होगी और झारखंड के युवाओं को न्याय कब मिलेगा.

शूटिंग के दौरान 'गुल्लक' फेम हेली शाह ने नर्मदा में लगाई डुबकी

मुंबईः मध्य प्रदेश का नर्मदापुरम इन दिनों एक खास वजह से चर्चा में है। शहर के खूबसूरत और ऐतिहासिक सेठानी घाट पर इन दिनों 'गुल्लक' फेम अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज की शूटिंग कर रही हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसे इस खूबसूरत शहर में शूटिंग के दौरान हेली सिर्फ अपने किरदार और कैमरे तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने यहां के माहौल और लोगों से भी दिल से जुड़ने की कोशिश की। शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच हेली शाह ने नर्मदापुरम में कुछ ऐसे पल भी बिताए, जो उनके ऑन-स्क्रीन ग्लैमर से बिल्कुल अलग और बेहद सादगी भरे नजर आए। अभिनेत्री ने सेठानी घाट पर नर्मदा नदी में डुबकी लगाई और घाट के आध्यात्मिक माहौल को महसूस किया। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ भी समय बिताया और अपने सहज अंदाज से वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। सेठानी घाट नर्मदापुरम की पहचान का एक अहम हिस्सा है। नर्मदा नदी के किनारे स्थित यह 19वीं सदी का ऐतिहासिक घाट धार्मिक और प्राकृतिक दोनों दृष्टि से खास माना जाता है। यहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है और लोग नर्मदा में स्नान कर पूजा-अर्चना करते हैं। शाम के समय घाट पर होने वाली आरती भी यहां के आकर्षण का प्रमुख हिस्सा है। इसी आध्यात्मिक वातावरण के बीच हेली शाह ने भी नर्मदा नदी में डुबकी लगाई। शूटिंग के बीच अभिनेत्री का यह अंदाज काफी सुकून भरा रहा। कैमरे के सामने अलग-अलग किरदारों में नजर आने वाली हेली जब नर्मदा के पानी में उतरीं, तो उनका यह पल बेहद निजी और सहज नजर आया। हालांकि नर्मदा नदी के साथ हेली का यह जुड़ाव केवल शूटिंग लोकेशन तक सीमित नहीं रहा।

कियारा के इंटीमेट सीन पर मचा बवाल!

मुंबईः ट्रोलर्स को यश ने दिया करारा जवाब

'टॉक्सिक' को लेकर इन दिनों बॉलीवुड गलियारों में खूब गॉसिप चल रही है। फिल्म के टीजर और गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के बीच दिखाए गए रोमांटिक और इंटीमेट सीन्स ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। इसके बाद कियारा को इन सीन्स को लेकर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। अब बेंगलुरु में हुए फिल्म के ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च पर यश ने अपनी को-स्टार का खुलकर

बचाव किया। यश ने कहा कि ट्रेलर में कियारा के किरदार की सिर्फ एक झलक दिखाई गई है और उन्होंने फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। यश ने ट्रोलर्स को बिना नाम लिए जवाब देते हुए कहा कि एक कलाकार को लोगों की बातों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए।

उन्हें उसी चीज पर काम करना चाहिए, जिस पर उन्हें भरोसा हो। यश ने कियारा की तारीफ करते हुए यह भी कहा कि शायद वे लोग अपने समय से थोड़ा आगे हैं।

'किसिंग सीन जबरदस्ती'

मुंबई : पवन सिंह पर काजल राघवानी का गंभीर आरोप

भोजपुरी सिनेमा में इन दिनों एक नया विवाद सुर्खियों में है। एक चर्चित रियलिटी शो के प्रोमो के बाद काजल राघवानी ने पवन सिंह को लेकर ऐसा दावा किया, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। काजल के मुताबिक, एक फिल्म की शूटिंग के दौरान पवन सिंह के साथ उनका किसिंग सीन था, लेकिन उन्होंने इसे करने से साफ इनकार कर दिया। दावा है कि उनके इनकार के बाद पवन सिंह नाराज हो गए और शूटिंग छोड़कर सेट से चले गए। काजल ने कहा कि उन्होंने इंडस्ट्री में हमेशा सभी का सम्मान किया, लेकिन हर कोई उस सम्मान का हकदार नहीं होता।

परिवार के तानों से टूट गई थीं आंचल गुस्से में पी लिया था हार्पिक!

मुंबई : आंचल खुराना ने अपनी जिंदगी से जुड़ा ऐसा खुलासा किया है, जिसने हर किसी को चौंका दिया। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में टीवी की इस मशहूर एक्ट्रेस ने बताया कि बचपन में उन्हें परिवार और रिश्तेदारों से खूब ताने सुनने पड़ते थे। उनका कहना है कि लोग कहते थे कि वह जिंदगी में कुछ नहीं कर पाएंगी, जिससे उनका गुस्सा और जिद बढ़ती गई। आंचल ने बताया कि वह बेहद अग्रेसिव थीं और उन्हें हमेशा प्यार व अपनापन पाने की चाह रहती थी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एक समय ऐसा आया जब गुस्से और अकेलेपन में उन्होंने खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हुए हार्पिक तक पी लिया था, जिसके बाद उन्हें करीब एक महीने अस्पताल में रहना पड़ा। हालांकि, आंचल कहती हैं कि वह एक 'सर्वाइवर' हैं और उसी मुश्किल दौर ने उन्हें मजबूत बनाया। रोडीज जीतने के बाद परिवार और रिश्तेदारों का रवैया भी पूरी तरह बदल गया और आज उन्हें पूरा सम्मान और समर्थन मिलता है।

'कॉमेडी करना मुझे उबाऊ लगता है!'

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपदे का फिल्मी सफर बेहद दिलचस्प रहा है। हिंदी-मराठी फिल्मों की चर्चित अभिनेत्रियां जयश्री टी और मीना टी उनकी मौसियां हैं। 'इकबाल' से पहचान बनाने वाले श्रेयस ने 'ओम शांति ओम' और 'गोलमाल' सीरीज सहित कई फिल्मों में शानदार अभिनय किया। २०२३ में दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने वापसी की। उनकी फिल्म 'वेलकम टू जंगल' हाल ही में रिलीज हुई है। वहीं, 'द इंडियाज स्टोरी' में काजल अग्रवाल के साथ उनके अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। पेश हैं, श्रेयस तलपदे से पूजा सामंत की हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

-श्रेयस, आप लगातार हिंदी और मराठी फिल्मों/ओटीटी में काम करते नजर आते हैं, आपका कंफर्ट जोन क्या है? मुझे मराठी और हिंदी दोनों भाषाएं समान रूप से पसंद हैं। मराठी मेरी मातृभाषा है और बचपन संयुक्त परिवार में बीता, जहां घर में मराठी बोलने के साथ श्लोक, कविताएं, प्रार्थनाएं और अभंग पढ़े जाते थे। इससे मराठी पर मेरी पकड़ मजबूत हुई। वहीं, अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई और बॉलीवुड में हिंदी-अंग्रेजी बोलने वाले सह-कलाकारों के कारण दोनों भाषाओं में सहजता बनी। आज भाषा करियर में बाधा नहीं है। यह अखिल भारतीय सिनेमा का दौर है, जहां कलाकार अलग-अलग भारतीय भाषाओं में काम कर रहे हैं। अपनी भाषा की गरिमा और गुणवत्ता बरकरार रखते हुए दूसरी भाषाओं में काम करना गर्व की बात है।

-क्या सार्थक फिल्मों के लिए यह सही समय है?

विषयवस्तु हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। जो लोग कुछ अलग और गंभीर देखना चाहते हैं, वे ऐसी फिल्मों से जुड़ते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि महाराष्ट्र में आज जिस तरह की परिस्थितियां हैं, वहां तुकाराम जी जैसे लोग जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

मुंबईः सड़क हादसे में जान गंवाने वाले कारोबारी के परिवार को ₹5.01 करोड़ मुआवजा

मुंबईः मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले घाटकोपर निवासी 46 वर्षीय कारोबारी नीरज मेहता के परिवार को ₹5.01 करोड़ का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह हाल के कुछ हफ्तों में मुंबई मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल की ओर से ₹5 करोड़ से अधिक का दिया गया दूसरा बड़ा मुआवजा है। इससे पहले जुलाई में ट्रिब्यूनल ने 2022 के एक सड़क हादसे में 82 प्रतिशत स्थायी रूप से दिव्यांग हुए मुलुंड निवासी 54 वर्षीय व्यक्ति को ₹19.97 करोड़ का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

4 अगस्त को सुनाए गए आदेश में ट्रिब्यूनल के सदस्य एए घनीवाले ने बीमा कंपनी की उस दलील को स्वीकार नहीं किया, जिसमें कहा गया था कि हादसे में शामिल बस के चालक के पास वैध और प्रभावी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था तथा वाहन के पास वैध परमिट भी नहीं था।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि बीमा कंपनी अपने दावों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य पेश करने में विफल रही। इतना ही नहीं, कंपनी ने अपने पक्ष में किसी गवाह से पूछताछ नहीं की और न ही चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लाया। ऐसे में केवल आरोपों के आधार पर बीमा कंपनी को अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता।

2024 में महाबलेश्वर जाते समय हुआ था हादसा

मामला वर्ष 2024 में हुए उस सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें

घाटकोपर के रहने वाले कारोबारी नीरज मेहता की जान चली गई थी। मेहता अपने परिवार के साथ महाबलेश्वर की यात्रा पर जा रहे थे, तभी उनकी यात्रा एक गंभीर सड़क दुर्घटना में बदल गई। हादसे के बाद परिवार ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के समक्ष मुआवजे के लिए याचिका दायर की। परिवार की ओर से हादसे के कारण हुई आर्थिक और पारिवारिक क्षति को सामने रखा गया। मामले की सुनवाई के दौरान दुर्घटना की परिस्थितियों और बीमा कंपनी की जिम्मेदारी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया।

हालांकि, ट्रिब्यूनल ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। आदेश में कहा गया कि यदि बीमा कंपनी किसी कानूनी बचाव या आरोप के आधार पर मुआवजा देने की जिम्मेदारी से बचना चाहती है, तो उसे अपने दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत भी पेश करने होंगे। ट्रिब्यूनल के मुताबिक, बीमा कंपनी ऐसा करने में विफल रही।

उसने अपने आरोपों को साबित करने के लिए न तो कोई गवाह पेश किया और न ही संबंधित चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लाया। इस कारण उसके दावे को पर्याप्त आधार नहीं मिला। हाल के दिनों में दूसरा बड़ा मुआवजा यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मुंबई एमएसीटी ने हाल के हफ्तों में दूसरा बड़ा मुआवजा दिया है। जुलाई में ट्रिब्यूनल ने मुलुंड निवासी रासिक बिंदुमाधव जोशी को ₹19.97 करोड़ का मुआवजा देने का आदेश दिया था। जोशी वर्ष 2022 में एक ऑटो-रिक्शा दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें 82 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता हुई थी। ट्रिब्यूनल ने बीमा कंपनी को मुआवजे के साथ 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी निर्देश दिया था। उस मामले में दुर्घटना 2 जनवरी 2022 को एलबीएस मार्ग पर हुई थी। दावा याचिका के अनुसार, ऑटो-रिक्शा तेज और लापरवाही से चलाया जा रहा था और मुलुंड में कमगार अस्पताल सिग्नल के पास वह बेस्ट बस से टकरा गया था। हादसे में जोशी को गंभीर चोटें आई थीं।

मुंबईः कुर्ला में भारी बारिश के बीच भूस्खलन से हड़कंप, 4 से 5 लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भारी बारिश के बीच एक बड़ा हादसा सामने आया है। कुर्ला के चिराग नगर इलाके में बुधवार तड़के भूस्खलन की घटना हुई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भूस्खलन के बाद बड़ी मात्रा में मलबा जमा हो गया, जिसके नीचे 4 से 5 लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत एवं बचाव दल सक्रिय हो गए हैं। वहीं, दो लोगों के शव मलबे से निकाले गए हैं. बीएमसी मेयर रितु तावड़े भी घटनास्थल पर पहुंच रही है.

यह घटना गौसिया चॉल, राठौड़ मेडिकल के पास हुई है. सूचना मिलते ही मौके पर बचाव दल पहुंच गया है.

मलबे में 4 से प5 लोगों के फंसे होने का शक है. दो की मौत हो चुकी है. रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और लोगों को निकाला जा रहा है. इसकी वीडियो भी सामने आई है. दरअसल, मुंबई में बीती रात को काफी बरसात थी, जिसके चलते कुर्ला के इस चॉल पर पहाड़ का हिस्सा गिर गया. बृहन्मुंबई नगर निगम के मुताबिक, सुबह करीब 3:48 बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी. हादसे में 4 से 5 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई है. घटना की जानकारी मिलते ही बीएमसी फायर ब्रिगेड, पुलिस, बिजली वितरण कंपनी, 108 एंबुलेंस और बीएमसी वार्ड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया. लगातार मलबे को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है. घायलों को अस्पताल पहुंचाने के पूरे इंतजाम हैं. वहीं, डीसीपी गणेश शिंदे ने जानकारी देते हुए कहा, ''बारिश की वजह से घाटकोपर पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अशोकनगर इलाके में भूस्खलन हुआ है. अब तक दो शव बरामद किये गए हैं, और रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है.

मुंबईः अंधेरी इलाके में जेबकतरा गिरोह का पदार्फाश; पुलिस से बचने के लिए रोजाना बदलने वाले कोड का करते थे इस्तेमाल

मुंबई : अंधेरी इलाके में सक्रिय बताए जा रहे एक कथित जेबकतरा गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य चोरी की वारदातों को अंजाम देने के साथ-साथ पुलिस से बचने के लिए रोजाना बदलने वाले व्हाट्सएप कोड का इस्तेमाल करते थे। पुलिस के मुताबिक, सामान्य दिखने वाले वाक्य जैसे ''चाचा ने सलाम दिया'' और ''आज मौसम कैसा है?'' गिरोह के लिए सुरक्षा संकेत की तरह काम करते थे। इन कोड शब्दों के जरिए यह पता किया जाता था कि कोई सदस्य पुलिस की गिरफ्त में तो

नहीं आया है।

एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच की कमान डीसीपी वेस्ट जोन-3 दत्ता नलवडे के नेतृत्व में आगे बढ़ाई गई। पुलिस के अनुसार, गिरोह का मुख्य सरगना हर सुबह व्हाट्सएप के जरिए अपने साथियों से संपर्क करता था। बातचीत के दौरान किसी सामान्य सवाल या वाक्य के जरिए उस दिन का कोड इस्तेमाल किया जाता था। इसका मकसद चोरी की जगह या शिकार की जानकारी देना नहीं, बल्कि गिरोह के सदस्यों की सुरक्षा की पुष्टि करना था।

पुलिस जांच में पता चला कि गिरोह के लिए हर दिन नया कोड तय किया जाता था। जब सभी सदस्यों से सही जवाब मिल जाता था, तभी यह माना जाता था कि गिरोह का कोई सदस्य पुलिस के हाथ नहीं लगा है। इसके बाद बस रूट और मिलने की जगह जैसी जानकारी तय की जाती थी। पुलिस का कहना है कि यह तरीका गिरोह को आपसी संपर्क बनाए रखने और संभावित पुलिस कार्रवाई से बचने में मदद करता था। अंधेरी में गिरोह के दो सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर बाकी सदस्यों ने अपना ठिकाना बदल लिया और नवी मुंबई के जुईनगर इलाके में चले गए। पुलिस ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए जांच आगे बढ़ाई और गिरोह के नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गिरोह के पास से 135 महंगे स्मार्टफोन बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 90 हजार रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक बताई जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में फोन मिलने के बाद पुलिस को शक है कि गिरोह लंबे समय से मोबाइल चोरी की वारदातों में सक्रिय था।

वसई : हाईवे पर 1 करोड़ की नकली करेंसी जब्त, एक हिरासत में...

वसई-विरार : वसई-विरार क्राइम ब्रांच यूनिट 2 ने नकली नोटों की बड़ी खेप पकड़े जाने का दावा किया है। पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर शिरसाड फाटा के पास एक कार से करीब 1 करोड़ रुपये की संदिग्ध नकली करेंसी बरामद की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोट कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था। बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच यूनिट 2 को सोमवार को सूचना मिली थी कि एक कार के जरिए बड़ी मात्रा में नकली करेंसी ले जाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई की ओर जाने वाली सड़क पर निगरानी बढ़ाई और शिरसाड फाटा के पास जाल बिछाया।

सूचना के आधार पर पुलिस ने लगाया नाका

पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से मिली जानकारी में एक संदिग्ध चार पहिया वाहन के बारे में जानकारी दी गई थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने हाईवे पर संदिग्ध वाहनों की निगरानी शुरू की। कुछ समय

बाद पुलिस को बताए गए हुलिए से मिलता-जुलता वाहन नजर आया। पुलिस टीम ने वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में नोट मिले। प्रारंभिक जांच में इन नोटों के नकली होने का संदेह जताया गया है। इसके बाद वाहन में मौजूद संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और बरामद नोटों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

करीब 1 करोड़ रुपये के नोट बरामद

पुलिस ने कार से करीब 1 करोड़ रुपये मूल्य की नकली करेंसी बरामद किए जाने की जानकारी दी है। हालांकि, बरामद नोटों की वास्तविक स्थिति और उनकी गुणवत्ता की विस्तृत पुष्टि संबंधित जांच और विशेषज्ञ परीक्षण के बाद ही हो सकेगी। नकली नोटों की बरामदगी को पुलिस के लिए महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है, क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध करेंसी की बरामदगी से इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क की संभावना की भी जांच की जा सकती है।फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी के पास ये नोट कहां से आए और इन्हें किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। हाईवे पर चल रही थी संदिग्ध गतिविधि मुंबई-अहमदाबाद हाईवे मुंबई और गुजरात के बीच एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग है। इस मार्ग पर रोजाना बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन आवाजाही करते हैं। ऐसे में किसी संदिग्ध वाहन पर नजर रखना और उसे रोककर जांच करना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण काम होता है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com